web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 08 सितंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 340

अब छत्तीसगढ़ में होंगे 33 जिले : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कल करेगें 2 नए जिलों का शुभारंभ

- 32वां जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर और सक्ती 33वां जिला के रूप में आएंगे अस्तित्व में
- मुख्यमंत्री नवगठित जिलावासियों को देंगे करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेशवासियों को पिछले सप्ताह 3 नए जिलों की सौगात देने के बाद आगामी 9 सितम्बर को 2 नए जिलों का शुभारम्भ करने जा रहे हैं। इस दिन से 32वां जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सक्ती 33वां जिला के रूप में अस्तित्व में आएंगे । इस तरह प्रदेश में जिलों की संख्या बढ़ कर 33 हो जायेगी। नवगठित जिलों में मुख्यमंत्री बघेल कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कार्यालय का उद्घाटन करेंगे साथ ही रोड शो भी करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नवगठित जिले के लिए करोड़ो रुपए के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अब कोरिया जिले से अलग होकर तथा जांजगीर-चांपा से अलग होकर सक्ती नये प्रशासनिक इकाई के रूप में उभरेंगे। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में और सक्ती में अभूतपूर्व हर्ष व्याप्त है। नया जिला अस्तित्व में आने से क्षेत्र में विकास की नयी धारा बहेगी, विकास की गति और तीव्र होगी। शासन के प्रयासों से इन पहुंचविहीन क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न, इंटरनेट तथा रोड कनेक्टिविटी के लिए विशेष कार्य किए जा रहे हैं।

प्रस्तावित नवीन जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर सरगुजा संभाग के अंतर्गत होगा। नवीन गठित जिले में अनुविभाग की संख्या 3 है जिसमें मनेन्द्रगढ़, भरतपुर और खडग़वां है, वहीं तहसीलों की संख्या 6 है जिसमें मनेन्द्रगढ़, केल्हारी, भरतपुर, खडग़वां, चिरमिरी और कोटाडोल शामिल हैं। 3 जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़, खडग़वां, भरतपुर है। यहां 5 नगरीय निकाय जिनमें नगरपालिका निगम चिरमिरी, नगरपालिका परिषद मनेन्द्रगढ़, नगर पंचायत झगराखांड़, नगर पंचायत खोंगापानी और नगर पंचायत नई लेदरी सम्मिलित हैं।

प्रस्तावित गठित नवीन मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में कुल ग्रामों की संख्या 376 है। यहां 13 राजस्व निरीक्षक मण्डल तथा 87 पटवारी हल्का है। प्रस्तावित नवीन जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 1 लाख 46 हजार 824 हेक्टयर है। यहां की जनसंख्या 3 लाख 76 हजार 696 है। प्रस्तावित गठित नवीन जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में तहसील मनेन्द्रगढ़ में ग्रामों की संख्या 59, केल्हारी में ग्रामों की संख्या 74, भरतपुर में ग्रामों की संख्या 108, खडग़वां में ग्रामों की संख्या 44 एवं चिरमिरी में ग्रामों की संख्या 16 और तहसील कोटाडोल में ग्रामों की संख्या 75 है। नवगठित जिले में अमृतधारा जलप्रपात, सिद्धबाबा मंदिर (मनेन्द्रगढ़) सीतामढ़ी-हरचौका(रामवनगमन पर्यटन परिपथ) भरतपुर, रमदहा जलप्रपात जैसे पर्यटन स्थल भी शामिल हैं।

इसी प्रकार प्रस्तावित नए जिले सक्ती में उपखंड सक्ती की तहसील सक्ती, मालखरौदा, जैजैपुर और उपखंड डभरा की तहसील डभरा सहित कुल 5 तहसीलें शामिल होंगी।नवगठित सक्ती जिले के उत्तर में करतला तहसील (जिला कोरबा), दक्षिण में सारंगढ़ (जिला-रायगढ़), पूर्व में खरसिया (जिला-रायगढ़) और पश्चिम में सारागांव, बम्हनीडीह तहसील (जांजगीर चांपा) होंगी। सक्ती जिले में 2 उपखंड (सब डिवीजन) सक्ती और डभरा (नवीन जिला सक्ती में मालखरौदा और जैजैपुर प्रस्तावित उपखंड सम्मिलित है) की 5 तहसीलें क्रमश:-सक्ती, डभरा, जैजैपुर, मालखरोदा और नया बाराद्वार (प्रस्तावित तहसील अड़भार) उप तहसील- चंद्रपुर, हसौद, भोथिया तथा 4 विकासखंड/जनपद पंचायत क्रमश: सक्ती जैजैपुर, मालखरौदा और डभरा शामिल होंगे।

सक्ती जिले में 18 राजस्व निरीक्षक मंडल शामिल होंगे। इनमें जाजंग, सक्ती, पोरथा, नया बाराद्वार, नगरदा, सकर्रा, अड़भार, छपोरा, मालखरौदा, ठठारी, जैजैपुर, बेलादूला, हसौद, देवरघटा, धुरकोट, डभरा, सपोस और चंद्रपुर शामिल हैं। जिले का कुल राजस्व क्षेत्रफल 1,51,976 वर्ग किलोमीटर है। 2011 जनगणना के अनुसार जिले की आबादी 6,47,254 है। कुल ग्रामों की संख्या 465, आबाद ग्राम 463, विरान ग्राम 2, कुल पटवारी हल्कों की संख्या 153 हैं। सक्ती जिले में 319 ग्राम पंचायतें, 6 नगरीय निकाय शामिल होंगे। नवगठित जिले में चंद्रहासिनी माता मंदिर चंद्रपुर, अड़भार अष्टभुजी माता मंदिर, रेनखोल, दमऊदरहा जैसे पर्यटन स्थल भी शामिल है।

महत्वपूर्ण एवं खास

एक्शन में आयकर विभाग, गहलोत के करीबी मंत्री के 53 ठिकानों पर रेड

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में मिड-डे मील घोटाले के सिलसिले में इनकम टैक्स विभाग ने अशोक गहलोत सरकार में मंत्री राजेंद्र यादव के घर समेत 53 ठिकानों पर छापे मारे हैं। आयकर विभाग ने 7 राज्यों में छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि राजनीतिक फंडिंग को लेकर ये छापेमारी की गई है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बड़े स्तर पर आयकर विभाग की ओर से कार्रवाई की गई है। यूपी में समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के घर पर आयकर विभाग कार्रवाई कर रही है। हुसैनगंज के छितवापुर इलाके में उनका आवास है। वहीं, राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव के 53 ठिकानों पर इनकम टैक्स के छापे पड़े हैं। राजेन्द्र यादव के शिक्षा संबंधी कई बिजनेस हैं। वो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी मंत्री हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग ने कई कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। रायपुर में शराब कारोबारी के घर आईटी की रेड जारी है।

कोयला आवंटन घोटाले में बड़ी कार्यवाई, ममता सरकार के कानून मंत्री के ठिकानों पर सीबीआई रेड

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में ममता सरकार में कानून मंत्री मलय घटक के टिकानों पर सीबीआई ने छापेमारी की है। यह छापेमारी कोयला आवंटन घोटाले में की गई है। बताया जा रहा है कि सीबीआई ने इस मामले में कई बार मलय घटक को समन जारी किया था। लेकिन वे जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। ऐसे में अब सीबीआई ने उनके आवास पर छापेमारी की है। सीबीआई की ये कार्रवाई ऐसे वक्त पर हुई, जब कुछ समय पहले ही शिक्षक घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने ममता सरकार में कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया था। पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के पास से करीब 50 करोड़ रुपए कैश बरामद हुआ था। विवाद बढऩे के बाद ममता बनर्जी ने पार्थ चटर्जी को मंत्रिपद से हटा दिया था। आरोप है कि आसनसोल के निकट कुनुस्तोरिया और कजोरा इलाके में ईस्टर्न कोल फील्ड्स की लीज पर दी गई खदानों में कोयले का अवैध खनन किया गया। सीबीआई के अनुसार, जांच में 1,300 करोड़ रुपये के वित्तीय लेन-देन का संकेत मिला है। इनमें से अधिकांश पैसा कई प्रभावशाली लोगों के पास गया। इसके अलावा जांच में खुलासा हुआ है कि हवाला के जरिए इन प्रभावशाली लोगों के विदेशी बैंक खातों में पैसा जमा कराया गया था।

ट्रैक्टर ट्राली पलटने से एक की मौत, छह घायल

सीहोर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में एक ट्रैक्टर ट्राली के पलटने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि अन्य छह लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों के अनुसार इछावर थाना क्षेत्र के कोठा कुर्सी के कुछ परिवार अपनी समस्याओं को लेकर कल क्षेत्रीय विधायक से मिलने गए थे। लौटते समय बिछोली जोड़ पर उनकी ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में सुवालाल बरेला की मौके पर मौत हो गई। जबकि छह लोग घायल हो। इसमें से दो की हालत गंभीर बताया गया है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

आईआईटी-कानपुर के छात्र ने छात्रावास के कमरे में की आत्महत्या

कानपुर (आरएनएस)। आईआईटी-कानपुर में पीएचडी के एक छात्र ने परिसर में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। घटना मंगलवार रात की है, जब एक छात्र ने सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी कि प्रशांत सिंह का कमरा अंदर से बंद है और वह दस्तक का जवाब नहीं दे रहा है। संस्थान के प्रशासकों ने जबरन दरवाजा खोला तो प्रशांत सिंह को बेडशीट के सहारे छत से लटका पाया। उन्हें संस्थान के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां ऑन कॉल चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया और छात्र के परिवार को भी घटना की सूचना दी गई। छात्र के शव को हैलेट अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। एक विज्ञप्ति में, आईआईटी-कानपुर के कर्मचारियों और छात्रों ने उत्कृष्ट शैक्षणिक योग्यता रखने वाले छात्र की मौत पर शोक जताया है।

रेगिस्तान में फैली हजारों गायों की लाशें

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में लंपी स्किन बिमारी के कारण हर दिन कई पशुओं की मौत हो रही है। वहीं बीकानेर में एक दिल दहला देने वाला नज़ारा सामने आया है। जहां रेगिस्तान में लाशों का मैदान दिखाई दे रहा है। दावा किया जा रहा है कि यार्ड में हजारों गायों के शव कई किलोमीटर तक पड़े हैं। जिन्हें गिद्ध नोच रहे है।

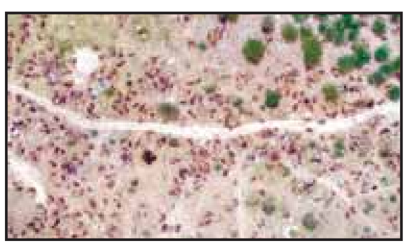

यार्ड में मृत पशुओं की वजह से 5 किलोमीटर तक के इलाके में दुर्गंध फैली हुई है। वहीं इतने बड़े एरिया में गायों की लाशें फैली होने के बाद सवाल उठता है कि क्या सरकार गायों में लंपी वायरस को फैलने से रोकने में नाकाम साबित हुई है। बता दें कि 5646 हेक्टेयर में फैले जोड़बीड गिद्ध संरक्षण क्षेत्र के तौर पर विकसित किया गया है जहां मृत गौवंश के शवों का निस्तारण किया जाता रहा है। पिछले कई सालों से मृत पशुओं के शवों को यहां फेंका जाता है और हर दिन आस-पास के गांवों से 100 से अधिक मृत पशु यहां आते हैं। वहीं मृत जानवरों की फोटो वायरल होने के बाद नगर निगम हरकत में आया है और निगम का कहना है कि हर साल मृत पशुओं के शवों को उठाने के लिए ठेका दिया जाता है लेकिन फिलहाल रामदेवरा और पूनासार मेले के चलते श्रमिक नहीं हैं इसलिए चमड़ा निकालने का काम धीमा पड़ गया है इसलिए इलाके में ज्यादा हड्डियां और मृत पशु एकत्रित हो गए हैं। वहीं अब संयुक्त निदेशक पशुपालन, उपवन संरक्षक वन्य जीव बीकानेर ने जोडबीड़ का दौरा किया है।

इसी के साथ आपको बता दे कि सरकार के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में अब तक लंपी की चपेट में आने से 40 हजार से ज्यादा गायों की मौत हो चुकी है। वहीं, 10 लाख से ज्यादा गोवंश इसकी वायरस से संक्रमित हो चुके हैं।

पीएम श्री योजना को कैबिनेट की मंजूरी, देश भर के 14500 स्कूलों का होगा कायाकल्प

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' योजना को मंजूरी दी। इसके तहत देश भर में 14,500 स्कूलों को आर्दश विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। इन स्कूलों में केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा कैबिनेट ने रेलवे की जमीन को लॉन्ग टर्म के लिए लीज पर उठाने का भी फैसला लिया है। पीएम गति शक्ति फ्रेमवर्क के तहत इन जमीनों का इस्तेमाल किया जाएगा। इन जमीनों पर अगले 5 सालों में 300 कार्गो टर्मिनल विकसित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि अगले 90 दिनों में पीएम गति शक्ति योजना पर अमल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही पीएम-श्री स्कीम का ऐलान किया था। इस स्कीम का ऐलान करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत इन स्कूलों को शुरू किया जाएगा। पीएम मोदी ने कई ट्वीट करते हुए लिखा था, 'आज शिक्षक दिवस के मौके पर मैं एक नए प्रयास का ऐलान करता हूं। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया के तहत देश भर के 14,500 स्कूलों का अप्रगेडेशन किया जाएगा। ये मॉडल स्कूल के तौर पर विकसित होंगे, जिन्हें न्यू एजुकेशन पॉलिसी की भावना के तहत विकसित किया जाएगा।'

इन स्कूलों को आधुनिक शिक्षा के लिहाज से तैयार किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन स्कूलों को मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर के तहत तैयार किया जाएगा। इनमें नई तकनीक स्मार्ट क्लासरूम, स्पोर्ट्स और अन्य चीजों के हिसाब से तैयार किया जाएगा। इससे पहले जून में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस स्कीम के बारे में जानकारी दी थी। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक जिन 14,500 स्कूलों को इस योजना के तहत चुना जाएगा, वे ज्यादातर केंद्र सरकार की ओर से संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा कुछ स्कूलों को राज्य सरकार की ओर से चलाया जा रहा है।

आदर्श विद्यालयों में सभी छात्रों के लिए एक सुरक्षित, प्रोत्साहित करने वाले शैक्षिक वातावरण में सीखने एवं विविध अनुभव प्रदान करने वाली अच्छी ढांचागत व्यवस्था एवं समुचित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही गई है। इसमें स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाना तथा बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जाएगा।

ईरान की मदद से तेलंगाना संस्थान में दुर्लभ पांडुलिपियों को मिलेगी नई जिंदगी

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना राज्य अभिलेखागार अनुसंधान संस्थान में दुर्लभ उर्दू और फारसी ऐतिहासिक पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटलाइजेशन का काम भारत-ईरान संयुक्त परियोजना के तहत किए जाने पर सहमति बन गई है, इसके लिए एक एमओयू भी साइन किया गया है। तेलंगाना राज्य अभिलेखागार अनुसंधान संस्थान ने बुधवार को नई दिल्ली में ईरान के कल्चर हाउस यानी नूर इंटरनेशनल माइक्रोफिल्म सेंटर के साथ इसे लेकर एमओयू साइन कर लिया है। इस समझौते के तहत ईरान पांडुलिपियों में सुधार, दस्तावेजों का संरक्षण, डिजिटलीकरण और सूची तैयार करेगा। इस समझौते से एक बार फिर विलुप्त हो रही विरासत को नई जिंदगी मिलेगी।

ईरान और भारत के बीच ये पहल फिर से ऐतिहासिक दस्तावेजों को नई जिंदगी देगी और आने वाली पीढिय़ों को राज्य की विरासत के बारे में बताएगी। ये अन्य देशों के इतिहासकारों या विद्वानों के लिए भी फायदे का समझौता है जो भारत और तेलंगाना के मध्ययुग और आधुनिक इतिहास पर खोज या शोध के लिए तेलंगाना राज्य अभिलेखागार के साथ मदद करते हैं।

तेलंगाना सरकार के अधिकारियों ने ये भी साफ कर दिया है कि, इस पूरी प्रक्रिया में राज्य नहीं ईरानी सरकार ही खर्च करेगी। भारत के प्रमुख रिसर्च इंस्टीट्यूट में से एक तेलंगाना राज्य अभिलेखागार और अनुसंधान संस्थान में मुगल राजवंशों से जुड़े हुए 1406 ईस्वी पूर्व के दुर्लभ और ऐतिहासिक अभिलेखों का संगम यानी संग्रह है। जिसमें बहमनी, कुतुब शाही, आदिल शाही और मुगल राजवंशों से जुड़ी जानकारी है। इस इंस्टीट्यूट में 43 मिलियन से अधिक दस्तावेज हैं और बता दें इसमें से 80 फीसदी अभिलेख शास्त्रीय फारसी और उर्दू की भाषा में है। क्योंकि ये भाषा तत्कालीन राजवंशों की बोली थी। साथ ही अभिलेखों से आापको 1956 से 2014 तक जुटाए गए आंध्र प्रदेश शासन के आदेश, राजपत्रों की जानकारी भी मिल जाएगी।

इंस्टीट्यूट में रखे अभिलेखों से भारत और ईरान की मिली-जुली इतिहास के बारे मे जानकारी मिलती है। ये अपने आप में दोनों देशों के कई यादों को संभाले रखा हुआ है। जिसमें दोनों देशों की कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कलाकृतियां हैं। इसलिए इस कीमती विरासत को संभाल कर रखना बहुत जरुरी है।

वहीं एएमयू साइन होने के वक्त तेलंगाना के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के. टी रामा राव और भारत में ईरानी राजदूत डॉ. अली चेगेनी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के प्रधान सचिव, आईटीई एंड सी और उद्योग जयेश रंजन, तेलंगाना राज्य अभिलेखागार अनुसंधान संस्थान के निदेशक, डॉ. जरीना परवीन, एनआईएमसी के निदेशक, डॉक्टर मेहदी खजेह पिरी और दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए एनआईएमसी के क्षेत्रीय निदेशक अली निरुमंद मौजूद रहे।

अहमदाबाद में पुलिस कांस्टेबल ने परिवार के साथ छलांग लगाकर की आत्महत्या

अहमदाबाद (आरएनएस)। अहमदाबाद शहर के गोटा इलाके में एक पुलिस कांस्टेबल ने अपनी पत्नी और तीन साल की बेटी के साथ कूदकर जान दे दी। इस घटना की जानकारी पुलिस अधिकारी ने बुधवार को दी है। आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

वस्त्रपुर थाना के लेखा विभाग में कार्यरत कुलदीप सिंह यादव पिछले तीन साल से अपनी पत्नी रिद्धि और बेटी आकांशा के साथ गोटा क्षेत्र के दिवा हाइट्स में रह रहा था।

बुधवार सुबह करीब 1 बजे रिद्धि ने 12वीं मंजिल से छलांग लगाई और उसके बाद कुलदीप सिंह ने अपनी बेटी के साथ छलांग लगाई।

मेवाड़ा जब नीचे उतरे तो उन्हें सोसायटी के बाहर जमीन पर लाशें पड़ी मिलीं।

सूचना पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पोस्टमार्टम के बाद शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक गांव भावनगर जिले में परिवार को सौंप दिया जाएगा।

पुलिस सभी एंगल से जांच करेगी और अगर कोई सुसाइड नोट है तो उसकी तलाश की जाएगी।

पीएम मोदी कल करेंगे सेंट्रल विस्टा में 'कर्तव्य-पथ' का उद्घाटन, नेताजी की प्रतिमा का अनावरण

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को राजधानी में सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत शाम सात बजे आयोजित कार्यक्रम में 'कर्तव्य पथ' का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सत्ता के प्रतीक तत्कालीन राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना जन प्रभुत्व और सशक्तीकरण का एक उदाहरण है।

इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित राजपथ को अब कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाएगा। नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की बैठक में बुधवार को इससे संबधित प्रस्ताव पर मुहर लगायी गयी। यह निर्णय आज परिषद की एक विशेष बैठक में लिया गया, जिसमें केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, अध्यक्ष बी एस भल्ला, उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय और अन्य शामिल थे। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि मोदी इस अवसर पर इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे। यह कदम प्रधानमंत्री के 'पंच प्राण' में से एक की तर्ज पर है यानी 'औपनिवेशिक मानसिकता का कोई भी निशान मिटाएं।'

वर्षों से, राजपथ और सेंट्रल विस्टा एवेन्यू के आसपास के इलाकों में आगंतुकों की बढ़ती भीड़ का दबाव देखा जा रहा था, जिससे इसके बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ रहा था। इसमें सार्वजनिक शौचालय, पीने के पानी, स्ट्रीट फर्नीचर और पार्किंग स्थल की पर्याप्त व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। बयान में कहा गया है गणतंत्र दिवस परेड और अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों के दौरान जनता की आवाजाही पर कम से कम प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता भी महसूस की जा रही थी। इन चिंताओं को ध्यान में रखते हुए इसका पुनर्विकास किया गया है साथ ही इलाके के मुख्य वास्तु शिल्प का चरित्र बनाये रखा गया है और उसकी अखंडता भी सुनिश्चित की गयी है।

बयान में कहा गया है कि कर्तव्य पथ बेहतर सार्वजनिक स्थानों और सुविधाओं को प्रदर्शित करेगा, जिसमें पैदल रास्ते के साथ लॉन, हरे-भरे स्थान, नवीनीकृत नहरें, मार्गों के पास लगे बेहतर बोर्ड, नई सुख-सुविधाओं वाले ब्लॉक और बिक्री स्टॉल होंगे। इसके अलावा इसमें पैदल यात्रियों के लिए नए अंडरपास, बेहतर पार्किंग स्थल, नए प्रदर्शनी पैनल और रात्रि के समय जलने वाली आधुनिक लाइटों से लोगों को बेहतर अनुभव होगा। इसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, भारी वर्षा के कारण एकत्र जल का प्रबंधन, उपयोग किए गए पानी का पुनर्चक्रण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था जैसी अनेक दीर्घकालिक सुविधाएँ शामिल हैं।

सेंट्रल विस्टा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा उसी स्थान पर स्थापित की जा रही है, जहां इस साल की शुरुआत में पराक्रम दिवस (23 जनवरी) के अवसर पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया गया था। मुख्य मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा तैयार की गई 28 फुट ऊंची प्रतिमा को एक ग्रेनाइट पत्थर पर उकेरा गया है और इसका वजन 65 टन है।